उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जळगाव

तृतीय वर्ष कला - हिंदी

जून २००४ से प्रारंभ

सूचना : अध्यापकोंको प्रत्येक पेपर के पाठ्यक्रमके साथ-साथ दो ट्युटोरीयल्स और दो सेमिनार लेना आवश्यक है ।

हिंदी सामान्य (जी-३)

उद्देश्य : 1) सामान्य स्तर पर हिंदी पढनेवाले छात्रों को निबंध तथा एकांकी विधा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष में आकलन कराना ।

2) कार्यालयों में प्रयुक्त हिंदी भाषा का स्वरूप एवं विभिन्न पत्राचारों की जानकारी देना तथा अनुवाद प्रक्रिया की प्रत्यक्ष जानकारी देना ।

निबंध . पाठ्यक्रम मे निर्धारित निबंध, उनके लेखक एवं कोष्टक में संग्रह का नाम -

1) आत्मनिर्भरता - बालकृष्ण भट्ट
(भट्ट निबंधमाला भाग-१)

2) आचरण की सभ्यता - सरदार पूर्णसिंह
(सरदार पूर्णसिंह अध्यापक के निबंध)

3) साहित्य देवता - माखनलाल चतुर्वेदी
(माखनलाल चतुर्वेदी ग्रंथावली)

4) उत्साह - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(चिंतामणी भाग - १)

5) पृथ्वीपर कल्पवृक्ष - बाबू गुलाबराय
(कुछ उथले कुछ गहरे)

6) गेहूँ बनाम गुलाब - रामवृक्ष बेनीपुरी
(गेहूँ और गुलाब)

7) प्रायश्चित्त की घडी - हजारी प्रसाद द्विवेदी
(अशोक के फूल)

8) सागर और लहर - विश्वनाथ अय्यर
(शहर सो रहा है)

9) नदी, नारी और संस्कृति - विद्यानिवास मिश्र
(नदी, नारी और संस्कृति)

10) बचालें थोडी-सी धरती, थोडा-सा आकाश - श्रीराम परिहार
(भया ज्ञानोदय, मई २००३)

<u>एकांकी</u> : पाठ्यक्रम में निर्धारित एकांकी, उनके लेखक एवं कोष्टक में संग्रह का नाम -

1) अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चंद्र (अंधेर नगरी)

2) औरंगजेब की आखिरी रात - रामकुमार वर्मा (रेशम की टाई)

3) सूखी डाली - उपेन्द्रनाथ अश्क (चरवाहे)

4) मकड़ी का जाला - जगदीशचंद्र माथुर (मेरे श्रेष्ठ रंग एकांकी)

5) संस्कार और भावना विष्णु प्रभाकर (प्रकाश और परछाई)

6) साया - सत्येंद्र शरत (इंद्रधनुष्य)

7) यहाँ रोना मना है - ममता कालिया (यहाँ रोना मना है)

<u>लेखन</u> .

अ) पारिभाषिक शब्दावली (नमूना सूची संलग्न)

आ) सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त पत्राचार के विविध रूप - ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, स्मरणपत्र तथा अर्धसरकारी पत्र ।

इ) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द तथा अनेकार्थी शब्द ।

ई) अनुवाद – अंग्रेजी या मराठी गद्यखण्ड का हिंदी में अनुवाद ।

<u>संदर्भग्रंथ</u> -

1) निबंधालोक - (संपादित) प्रकाशक - शैलजा प्रकाशन, 57-P, कुंज विहार II, यशोदा नगर, कानपूर 11।

2) एकांक रश्मि - (संपादित) विद्या प्रकाशन, सी-449, गुजैनी, कानपूर ।

3) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - वासुदेवनंदन प्रसाद । प्रकाशक – भारती भवन, इलाहाबाद ।

4) हिंदी निबंध और रचना रामसकल शर्मा प्रकाशक - एस.चांद अण्ड कंपनी, नई दिल्ली ।

5) आवेदन प्रारूप - शिवनारायण चतुर्वेदी । प्रकाशक - अक्षर प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली

6) प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण प्रा. विराज । राजपाल ॲण्ड सन्स, दिल्ली ।

7) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ लक्ष्मीकांत पाण्डेय । विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

8) हिंदी भाषा एवं व्याकरण - डॉ मायाप्रकाश पाण्डेय । चिंतन प्रकाशन, कानपुर ।

-------******-------

तृतीय वर्ष कला - हिंदी सामान्य (G - 3)

पारिभाषिक शब्दावली

पदनाम (Designations)

Advocate	-	अधिवक्ता
Adviser	-	सलाहकार
Chief Minister	-	मुख्यमंत्री
Clerk	-	लिपिक
Commissioner	-	आयुक्त
Calculator	-	गणक
Computer	-	संगणक
Custodian	-	अभिरक्षक
Controller	-	नियंत्रक
Director	-	निदेशक, संचालक
Inspector	-	निरीक्षक
Judge	-	न्यायाधीश
Justice	-	न्यायमूर्ति
Legal Adviser	-	विधी सलाहकार
Nurse	-	परिचारिका
Operator	-	प्रचालक
Prime Minister	-	पधानमंत्री
Secretary	-	सचिव
Record Keeper	-	अभिलेखपाल
Steno Typist	-	आशुटंकक, लघु टंकलेखक
Store Keeper	-	भंडारी
Superintendent	-	अधीक्षक
Supervisor	-	पर्यवेक्षक
Surveyor	-	सर्वेक्षक
Ambassador	-	राजदूत
Body Guard	-	अंगरक्षक
Demonstrator	-	निदर्शक
Engineer	-	अभियंता

Executive Engineer	-	कार्यकारी अभियंता
Gazetted Officer	-	राजपत्रित अधिकारी
General Manager	-	महाप्रबंधक
Labour Officer	-	श्रम अधिकारी
Personal Assistant	-	निजी सहाय्यक, स्वीय सहाय्यक
Planning Officer	-	योजना अधिकारी
Traffic Manager	-	यातायात प्रबंधक
Treasurer	-	कोषाध्यक्ष

प्रशासनिक शब्दावली

Approval	-	अनुमोदन
Appendix	-	परिशिष्ट
Appointment	-	नियुक्ती
Agreement	-	करार, अनुबंध
Admissible	-	ग्राह्य, स्वीकार्य
Countersigned	-	प्रतिहस्ताक्षरित
Classification	-	वर्गीकरण
Column	-	स्तंभ
Contingencies	-	आकस्मीक व्यय
Counterfoil	-	प्रतिपर्ण
Consigner	-	प्रेषक, माल भेजनेवाला
Chief Commercial Superintendent	-	मुख्य वाणिज्य अधिक्षक
Document	-	प्रलेख, दस्तावेज
Drafting	-	आलेखन
Declaration	-	घोषणा
Draft	-	प्रारूप, मसौदा
Divisional Superintendent	-	मंडल अधिक्षक
Employee	-	कर्मचारी, सेवक
Employment	-	रोजगार, सेवा योजना
Foot Note	-	तल टिप

Increment	-	वेतन वृद्धि
Jurisdiction	-	क्षेत्राधिकार
Loading	-	लदान
Lost Property Office	-	लापता सामान कार्यालय
Monopoly	-	एकाधिकार
Promotion	-	पदोन्नती, तरक्की
Resignation	-	त्यागपत्र
Sanction	-	संस्वीकृति, मंजुरी
Statement	-	बयान, वितरण
Regioonal/ Zonal	-	क्षेत्रीय
Regular	-	नियमित
Retirement	-	निवृत्ती
Correspondence	-	पत्राचार, पत्रव्यवहार
Grade	-	पदक्रम
Demotion	-	पदावनति
Eligible	-	पात्र
Revised	-	पुनरीक्षित
Miscellaneous	-	प्रकीर्ण
Transcription	-	प्रतिलेखन
Management	-	प्रबंध
Juniority	-	कनिष्टता
Proposal	-	प्रस्ताव
Authorised	-	प्राधिकृत
Submission	-	प्रस्तुतीकरण, निवेदन
Minutes (of a Meeting)	-	कार्यवृत्त
Surcharge	-	अधिभार
Figures	-	आँकडे
Order	-	आदेश
Objection	-	आपत्ति
Action	-	कारवाई
Capacity	-	क्षमता

Compensation	-	क्षतिपूर्ति, मुआवजा
Current	-	चालू
Surety	-	जामिन
Breakage/ Wear & Tear	-	टूट फूट
Rate		दर
Claimant	-	दावेदार
Specified	-	निर्दिष्ट
Tourism	-	पर्यटन
Receipt	-	पावती, रसीद
Stamped	-	मुद्रांकित
Account	-	लेखा
Demurrage	-	विलंब शुल्क
Duty	-	शुल्क
Damages	-	हर्जाना
Estimate	-	अनुमान
Grant	-	अनुदान
Implementation	-	कार्यान्वयन
Initials	-	आद्याक्षर, प्राक्षर
Note	-	टिपण्णी
Report	-	प्रतिवेदन
Responsibility	-	उत्तरदायित्व
Scheme	-	योजना
Activity	-	क्रियाशीलता
Nominal	-	नाममात्र
Cancellation	-	निरसन
Conclusion	-	निष्कर्ष
Post	-	पद
Dismissal	-	पदच्युति
Advice	-	परामर्श
Eligibility	-	पात्रता

Enquiry	-	पूछताछ
Representation	-	प्रतिनिधित्व, प्रतिनिधान
Certified	-	प्रमाणित
Seniority	-	वरिष्ठता
Priority	-	प्राथमिकता
Autentic	-	प्रामाणिक
Suspension	-	निलंबन
Procedure	-	क्रियाविधी
Temporary	-	अस्थायी
Partial	-	आंशिक
Basis/Ground	-	आधार
Average	-	औसत
Fare	-	किराया
Damage	-	क्षति
Mortagage	-	गिरवी, बंधक
Security Bond	-	जमानतनामा
Total	-	जोड, योग
Cartage	-	ढुलाई
(To) Register	-	दर्ज करना
Renewal	-	नवीकरण
Registered	-	पंजीकृत
Fortnightly	-	पाक्षिक
Demand	-	माँग
Cash	-	रोकड
Recovery	-	वसुली
Delay	-	विलंब
Complaint	-	शिकायत
Fair Copy	-	स्वच्छ प्रती, साफ प्रती
Consignee	-	माल पानेवाला, प्रेषिती

-----*****-----

तृतीय वर्ष कला

हिंदी सामान्य (G - 3)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय . तीन घंटे

अंक . 100

प्रश्न क्र. 1 पठित निबंधों में से किसी एक निबंध पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (20)

अथवा

पठित निबंधों पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न
(छः में से चार के उत्तर अपेक्षित)

प्रश्न क्र 2 पठित एकांकियों में से किसी एक एकांकी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (20)

अथवा

पठित एकांकियों पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न
(छः में से चार के उत्तर अपेक्षित)

प्रश्न क्र. 3 ससंदर्भ व्याख्या -

अ) निबंधों पर आधारित संदर्भ (10)
(दो में से एक का उत्तर अपेक्षित)

ब) एकांकियों पर आधारित संदर्भ (10)
(दो में से एक का उत्तर अपेक्षित)

प्रश्न क्र 4 अ) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (05)
(सात में से पाँच के उत्तर अपेक्षित)

आ) अनेकार्थी शब्द (सात में से पाँच के उत्तर अपेक्षित) (05)
(शब्द के कम से कम दो भिन्न अर्थ देना अपेक्षित)

इ) अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के लिए हिंदी पर्यायी शब्द (10)
(दस में से दस के उत्तर अपेक्षित)

प्रश्न क्र 5 अ) पत्र लेखन (10)
(दो में से एक का उत्तर अपेक्षित)

आ) अनुवाद - अंग्रेजी या मराठी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद (10)

------*****

॥ अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ॥

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

तृतीय वर्ष कला - हिंदी विशेष - 3

हिंदी साहित्य का इतिहास

उद्देश्य : 1) ऐतिहासिक दृष्टि से हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालखंडों की परिस्थितियों की पार्श्वभूमि में साहित्यिक परंपराओं का परिचय देना ।

2) साहित्य के विभिन्न कालखंडों की विषय एवं शैली की दृष्टि से प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय देना ।

3) हिंदी की प्रमुख काव्यधाराओं तथा उनसे संबंधित कवियों का सामान्य परिचय देना ।

4) आधुनिक काल की गद्य-विधाओं का विकासानुसार सामान्य परिचय देना ।

पाठ्यक्रम :

1) हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन तथा नामकरण ।

2) आदिकाल :
   क) पृष्ठभूमि - राजनितिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक ।
   ख) आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।
   ग) रासो साहित्य का संक्षिप्त परिचय ।
   घ) साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय - विद्यापति एवं अमीर खुसरो ।

3) भक्तिकाल :
   अ) पृष्ठभूमि - राजनितिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक ।
   आ) निम्नलिखित प्रमुख काव्यधाराओं तथा उनसे संबंधित प्रमुख कवियों का परिचय-
      क) ज्ञानाश्रयी शाखा - कबीर
      ख) प्रेमाश्रयी शाखा - जायसी
      ग) रामभक्ति शाखा - तुलसी
      घ) कृष्णभक्ति शाखा - सूरदास
      च) कवियों का संक्षिप्त परिचय - मीराँ और रसखान ।

4) रीतिकाल :
   अ) पृष्ठभूमि - राजनितिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक ।
   आ) रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा रीतिकाल की प्रमुख धाराएँ ।
   इ) कवि परिचय - केशवदास, बिहारी, घनानंद तथा भूषण का संक्षिप्त परिचय ।

ड) आधुनिक काल : (इस पाठ्यक्रम में निर्धारित कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध इ. विधाओं के अध्ययन का कालखंड सन 1975 तक रहेगा)

क) काव्य - 1) भारतेंदु कालीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ ।
2) द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ ।
3) निम्नलिखित साहित्यिक वादों का परिचय ।
छायावाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद ।
4) कृतियों का संक्षिप्त परिचय-प्रियप्रवास, साकेत एवं कामायनी ।

ख) गद्य - 1) भारतेंदु पूर्व खडीबोली गद्य का सामान्य परिचय ।
2) साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय - भारतेंदु, प्रेमचंद, आचार्य शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, जैनेंद्रकुमार, रामकुमार वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु एवं मोहन राकेश ।
3) निम्नलिखित विधाओं का विकासात्मक अध्ययन : उपन्यास, कहानी, नाटक एवं निबंध ।
4) कृतियों का संक्षिप्त परिचय- ध्रुवस्वामिनी, महाभोज एवं रागदरबारी ।

<u>संदर्भग्रंथ</u>

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

2) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. देवीशरण रस्तोगी, राजप्रकाशन, मेरठ

3) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, माणकचंद बुक डेपो, इंदौर.

4) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ सज्जन राम केणी, निराली प्रकाशन, पुणे

5) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ रमेशचंद्र शर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपूर

6) हिंदी साहित्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ - डॉ. गोविन्दराम शर्मा,
हिंदी साहित्य संसार, पटना.

7) हिंदी साहित्य संक्षिप्त इतिहास - डॉ. रामरतन भटनागर,
साथी प्रकाशन, आगरा.

8) हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र,
नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, नयी दिल्ली

9) हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ -. शिवकुमार शर्मा,
अशोक प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली.

10 हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

-----*****-----

तृतीय वर्ष कला - हिंदी विशेष पेपर नं. 3

हिंदी साहित्य का इतिहास

एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्नों की सूची -

- आदिकाल

1) आदिकाल के दो नाम लिखिए ।
2) वीरगाथा काल के नामकरण के किन्हीं दो आधार ग्रंथों के नाम लिखिए ।
3) रासो काव्य में किन रसों की प्रधानता मिलती है ?
4) "पृथ्वीराज रासो" के रचियता कौन है ?
5) चंदबरदाई की प्रसिध्द रचना का नाम लिखिए ।
6) वीरगाथा काल नाम किसने दिया है ?
7) "मैथिल कोकिल" किसे कहा जाता है ?
8) विद्यापति की एक रचना का नाम लिखिए ।
9) विद्यापति ने कौनसी भाषा में काव्य लिखा है ?
10) कीर्तिलता, कर्तिपताका रचनाएँ किसने लिखी है ?
11) आदिकाल में खडीबोली का प्रयोग करनेवाले प्रसिध्द कवि कौन है ?
12) "बीसलदेव रासो" किसकी रचना है ?
13) वीरगाथाएँ किन दो काव्य रूपों में मिलत है ?
14) वीरगाथाएँ किन दो भाषाओं में लिखी गई है ?
15) नाथ संप्रदाय के प्रवर्तक कौन थे ?
16) आदिकाल में किन धर्मों की प्रधानता रही है ?
17) गोरखनाथ के नाम पर प्रचलित दो ग्रंथो के नाम लिखिए
18) आदिकाल का काल विभाजन कहाँ से कहा तक माना जाता है ?
19) डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी ने आदिकाल का कालखंड कहाँ से कहाँ तक माना है ।
20) अमीर खुसरो ने किन दो संस्कृतियों का समन्वय किया है ?

- भक्तिकाल

21) कबीर किस काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि है ?

22) निर्गुण संप्रदाय के सर्वप्रथम कवि कौन है ?

23) "बीजक" की रचना किसने की है ?

24) कबीर के गुरू का नाम लिखिए ।

25) कबीर के प्रमुख काव्यग्रंथ का नाम बताइए ।

26) जायसी किस काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि माने जाते है ?

27) प्रेममार्गी काव्यधारा के कवि का नाम लिखिए ।

28) जायसी के महाकाव्य का नाम बताइए ।

29) "पद्मावत" की रचना किन छंदों में की गई है ?

30) रामचरितमानस के रचयिता कौन है ?

31) रामभक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवि का नाम लिखिए ।

32) तुलसीदास ने अपने काव्य में किन भाषाओं का प्रयोग किया है ?

33) सूरदास किस काव्यधारा के कवि माने जाते है ?

34) कृष्णभक्ति शाखा के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए ।

35) पुष्टिमार्ग का जहाज किसे कहा जाता है ?

36) सूरदास किस संप्रदाय में दिक्षित हुए थे ?

37) सूरदास की पदरचनाओं का प्रमुख उद्देश्य क्या था ?

38) सूरदास के काव्य की भाषा कौनसी है ?

39) भक्तिकाल में प्रचलित प्रमुख काव्यधाराओं के नाम लिखिए ।

40) मीराबाई की प्रमुख रचना का नाम बताइए ।

41) मीराबाई के आराध्य देवता कौन थे ?

42) "प्रेमवियोगिनी विराहिणी" किस कवियत्री को कहा जाता है ।

43) रहीम किस काव्यधारा के कवि माने जाते है ?

44) रहीम द्वारा प्रयुक्त प्रमुख छंद का नाम लिखिए ।

45) रहीम की प्रमुख रचना का नाम बताइए।

46) रहीम ने मुख्यत: किस प्रकार के दोहे लिखे है ?

47) रहीम का नाम क्या था ?

48) भक्तिकाल को किन दो प्रमुख काव्यधाराओं में विभाजित किया है ?

49) भक्तिकाल कहाँ से कहाँ तक माना जाता है ?

50) भक्तिकाल किस विशेष नाम से जाना जाता है ?

- <u>रीतिकाल</u>

51) रीतिकाल के अन्य दो नाम लिखिए।

52) रीतिकाल के विवर्तन के संबंध में किन दो कवियों को लेकर विवाद होता रहा ?

53) रीतिकालीन अधिक तर रचनाओं में किस भाषा का प्रयोग मिलता है ?

54) रीतिकाल में प्रकृति वर्णन किस रूप में मिलता है ?

55) कविप्रिया, रसिकप्रिया ग्रंथों के रचनाकार कौन है ?

56) रीतिकाल में प्रचलित तीन काव्यधाराएँ कौन सी है ?

57) रीतिबध्द काव्यधारा के कवि का नाम लिखिए।

58) रीतिबध्द काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों के नाम बताइए।

59) रीतिमुक्त काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।

60) चिंतामणी त्रिपाठी की प्रमुख रचना का नाम लिखिए।

61) बिहारी की प्रसिध्द काव्यरचना कौनसी है ?

62) बिहारी सतसई में प्रयुक्त छंदों का नाम बताइए।

63) बिहारी सतसई में शृंगार के किन दो पक्षों का वर्णन मिलता हैं ?

64) भूषण के काव्य के नायक कौन हैं ?

65) भूषण के प्रमुख दो ग्रंथों के नाम लिखिए।

66) भूषण के काव्य में प्रयुक्त प्रमुख रस कौनसा है ?

67) कवि-कुल-कल्पतरू, शृंगार मंजिरी रचनाओं के लेखक कौन है ?

68) "सतसैया के दोहरे जो नावक के तीर" वाली उक्ति किस कवि के लिए प्रसिध्द है ?

69) घनानंद के काव्य में उनकी प्रेयसी का क्या नाम आता है ?

70) रीतिकाल में शृंगार के साथ साथ अन्य कौनसे रसों को लेकर कविता लिखी गई ?

• <u>आधुनिककाल</u>

71) फोर्टविल्यम कॉलेज में हिंदी गद्य पुस्तकें तैयार कराने की व्यवस्था किसने की ?

72) "भारत-दुर्दशा" नाटक किसने लिखा है ?

73) "सरस्वती पत्रिका" का यशस्वी संपादन किसने किया ?

74) "उसने कहा था" कहानी के लेखक कौन है ?

75) इंशा अल्ला खाँ की प्रसिध्द कहानी का नाम लिखिए ।

76) खडीबोली के आरंभिक किन्हीं दो गद्यकारों के नाम लिखिए ।

77) देवकीनंदन खत्री का प्रसिध्द उपन्यास कौनसा है ?

78) सन 1900 से 1920 तक के कालखंड को किस नाम से पहचाना जाता है ?

79) भारतेंदु युगीन प्रसिध्द किन्हीं दो पत्रिकाओं के नाम लिखिए ।

80) बाबु हरिश्चंद्र को किस उपाधि से सम्मानित किया गया था ?

81) राजा शिवप्रसाद सितारे हिंद की भाषा नीति क्या थी ?

82) राजा लक्ष्मणसिंह की भाषा नीति क्या थी ?

83) भारतेंदु ने लोकजागरण के लिए किस प्रकार के नाट्यतंत्र को अपनाया था ?

84) लाला श्रीनिवासदास का मौलिक उपन्यास कौनसा है ?

85) हिंदी पत्रकारिता के आदि प्रवर्तक कौन है ?

86) प्रेमचंद के किस उपन्यास को कृषक जीवन का महाकाव्य कहा जाता है ?

87) प्रेमचंद के उपन्यासों में किन दो वादों का समन्वय मिलता है ?

88) यशपाल किस विचारधारा के लेखक है ?

89) दिव्या, अमिता, झूठा-सच उपन्यास के लेखक कौन है ?

90) "अशोक के फूल" निबंधसंग्रह के लेखक कौन है ?

91) वृंदावनलाल वर्मा के किसी एक प्रसिध्द उपन्यास का नाम लिखिए ।

92) "उपन्यास सम्राट" किसे माना जाता है ?

93) लक्ष्मीनारायण मिश्र के दो नाटकों के नाम बताइए ।

94) हिंदी के समस्यामूलक नाटककार के रूप में किसका नाम लिया जाता है ।

95) लक्ष्मीनारायण मिश्र ने किस प्रकार के नाटकों का सूत्रपात किया

96) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंधों की शैली किस नाम से प्रसिध्द है ?

97) "चिंतामणि" निबंध संग्रह के लेखक कौन है ?

98) प्रेमचंद युगीन उपन्यासकारों में से किन्हीं दो उपन्यासकारों के नाम लिखिए ।

99) हिंदी कहानी के विकास में सहायता देनेवाली दो पत्रिकाओं के नाम लिखिए ।

100) माटी की मूरतें, गेहूँ और गुलाब रेखाचित्र-संग्रह के लेखक कौन हैं ?

101) प्रेमचंदोत्तर काल के किन्हीं दो कहानीकारों के नाम लिखिए ।

102) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के दो निबंध-संग्रहों के नाम बताइए ।

103) महादेवी वर्मा के किन्हीं दो रेखाचित्र-संग्रह के नाम लिखिए ।

104) हिंदी के प्रसिध्द दो रेखाचित्रकारों के नाम बताइए ।

105) सन्यासी, सिंदुर की होली नाटकों के रचनाकार कौन है ?

106) भारतेन्दु ने किन पत्रिकाओं का संपादन किया ?

107) प्रसादयुग में हिंदी साहित्य की किस विधा का परिपूर्ण विकास हुआ है ?

108) बाणभट्ट की आत्मकथा उपन्यास किसने लिखा ?

109) हिंदी का सर्वप्रथम अखबार-पत्र कौनसा है ?

110) हिंदी कथा साहित्य को मनोवैज्ञानिक दृष्टि से समृध्द करनेवाले किन्हीं दो लेखकों के नाम लिखिए ।

- आधुनिक पद्य

111) भारतेंदु युग के किन्हीं दो प्रसिध्द कवियों के नाम बताइए ।

112) "साकेत" महाकाव्य के लेखक कौन है ?

113) राष्ट्रीय काव्य चेतना के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए ।

114) "झाँसी की रानी" कविता किसने लिखी है ?

115) कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय का उपनाम क्या है ?

116) "हरिऔध" उपनाम किस कवि का है ?

117) खडीबोली का पहला महाकाव्य कौनसा माना गया है ?

118) आधुनिक हिंदी कवियों में महाप्राण की उपाधि किसे दी गई है ?

119) मैथिलीशरण गुप्त ने किन उपेक्षित नारियों को काव्य का विषय बनाया ?

120) गुप्त की किन्हीं दो काव्यरचनाओं के नाम लिखिए ।

121) छायावादी बृहद्त्रयी के नाम लिखिए ।

122) छायावाद का आरंभ किस कृति से माना जाता है ?

123) "कामायनी" महाकाव्य की रचना किसने की है ?

124) कामायनी महाकाव्य में श्रध्दा और इडा किसके प्रतीक है ?

125) कामायनी में मनु और मनुपुत्र कुमार किसके प्रतीक है ?

126) सन 1870 से 1900 तक के कालखंड को किस नाम से संबोधित किया जाता है ?

127) कामायनी के प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए ।

128) निराला किस कवि का उपनाम है ?

129) "राम की शक्ति पूजा" किसकी रचना है ?

130) "आधुनिक मीरा" किसे कहा जाता है ?

131) महादेवी वर्मा की किस कृति पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है ?

132) पंत की "चिदंबरा" को कौनसा पुरस्कार मिला है ?

133) हिंदी में हालावाद के प्रवर्तक कौन है ?

134) हिंदी का "वर्डस्वर्थ" किस कवि को कहा गया है ?

135) "प्रकृति के सुकुमार कवि" किसे कहा गया है ?

136) मधुशाला, मधुकलश काव्यग्रंथों के कवि कौन है ?

137) महादेवी वर्मा के किन्ही दो काव्यसंग्रहों के नाम लिखिए ।

138) प्रगतिवाद का उदय कब हुआ ?

139) प्रगतिवाद राजनीति के किस वाद का साहित्यिक रूपांतर है ?

140) प्रगतिवाद के प्रसिध्द दो कवियों के नाम लिखिए ।

141) "दिनकर" की किस काव्य कृति को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है ?

142) आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख दो वादों के नाम लिखिए ।

143) प्रयोगवाद के प्रमुख दो कवियों के नाम बताइए ।

144) प्रथम तारसप्तक का प्रकाशन कब हुआ ?

145) प्रयोगवाद के प्रवर्तक किसे माना गया है ?

146) "तारसप्तक" के संपादक कौन है ?

147) अज्ञेय की किस रचना को ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया गया ?

148) खडीबोली के प्रथम महाकवि के रूप में किसका नाम लिया जाता है ?

149) भारतेंदु का अधिकांश काव्य किस भाषा में लिखा गया है ?

150) द्विवेदी ने किस पत्रिका के द्वारा कवियों को प्रोत्साहित किया ?

-----*****-----

तृतीय वर्ष कला

हिंदी विशेष पेपर - 3

हिंदी साहित्य का इतिहास

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे — अंक : **100**

प्रश्न क्र. 1	आदिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा आदिकाल पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो के उत्तर अपेक्षित)	(20)
प्रश्न क्र. 2	भक्तिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा भक्तिकाल पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो के उत्तर अपेक्षित)	(20)
प्रश्न क्र. 3	रीतिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा रीतिकाल पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो के उत्तर अपेक्षित)	(20)
प्रश्न क्र. 4	आधुनिककाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा आधुनिककाल पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो के उत्तर अपेक्षित)	(20)
प्रश्न क्र. 5	अ) आधुनिक काल पर आधारित टिप्पणियाँ (दो में से एक का उत्तर अपेक्षित)	(10)
	आ) एक वाक्यीय उत्तर वाले प्रश्न (दस में से दस का उत्तर अपेक्षित)	(10)

-----*****-----

सूचनाएँ :

1) प्रश्न क्र. 4 - यदि दीर्घोत्तरी प्रश्न गद्य पर आधारित हो तो "अथवा" में लघुत्तरी प्रश्न पद्य पर पूछे जाय और यदि दिर्घोत्तरी प्रश्न पद्य पर आधारित हो तो "अथवा" मे लघुत्तरी प्रश्न गद्य पर पूछे जाय ।

2) प्रश्न क्र. 5 (अ) - टिपण्णियों के विषय आधुनिक काल के गद्य और पद्य पर आधारित हो । गद्य को "अथवा" पद्य हो ।

3) प्रश्न क्र. 5 (आ) - एक वाक्यीय उत्तर वाले प्रश्न आदिकालपर दो, भक्तिकालपर दो, रीतिकालपर दो, आधुनिककाल के गद्य पर दो तथा पद्य पर दो, इस तरह दस प्रश्न पूछे जाय । प्रश्नों की सूची पाठ्यक्रम के साथ संलग्न है । ~~उसी सूची में से प्रश्न पूछना अनिवार्य है ।~~

-----*****-----

तृतीय वर्ष कला - हिंदी विशेष पेपर नं. 4

भाषा विज्ञान, राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास तथा निबंध

जून 2004 से प्रारंभ

उद्देश्य : 1) हिंदी भाषा के स्वरूप एवं विशेषताओं का परिचय देना ।
2) हिंदी भाषा और उसकी विभिन्न बोलियों का सामान्य परिचय देना ।
3) राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास एवं उसके सांविधानिक स्वरूप का परिचय देना ।
4) हिंदी शब्दसमूह की सामान्य जानकारी देना ।
5) निबंध लेखन द्वारा हिंदी भाषा एवं विचारों का परिवर्धन करना ।

(क) भाषा विज्ञान :

1. भाषा की परिभाषा तथा भाषा की विशेषताएँ.
2. भाषा -
   (अ) विविध रूप-बोली, परिनिष्ठित भाषा, प्रादेशिक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा.
   (आ) बोली और परिनिष्ठित भाषा तथा राजभाषा और राष्ट्रभाषा का पारस्परिक अंतर एवं संबंध.
3. हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय :
   बोलियाँ - ब्रज, अवधी, खडीबोली, भोजपुरी, दाक्खिनी, मारवाडी, मैथिली.
   (इनके संबंध में भौगोलिक क्षेत्र, साहित्यिक संपदा (लिखित तथा मौखिक) उपबोलियाँ, प्रत्येक बोली की अपनी खास विशेषताएँ आदि बातों की जानकारी अपेक्षित).
4. भाषा के व्युत्पत्ति विषयक सिद्धांत :
   अ) दिव्योत्पत्ति सिद्धांत.
   ब) धातु सिद्धांत.
   क) अनुकरण सिद्धांत.
   ड) श्रम परिहार सिद्धांत (श्रम ध्वनि सिद्धांत).
   इ) मनोभावाभिव्यक्ति सिद्धांत.
   फ) समन्वय सिद्धांत.

5. हिंदी का शब्द समुह :
उद्गम के आधार पर वर्गीकरण, तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्दों का सोदाहरण परिचय.

6. भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग तथा भाषा विज्ञान की व्याकरण से तुलना.

7. ध्वनी (स्वन) विज्ञान :
ध्वनिविज्ञान की व्याख्या, भाषा ध्वनी की परिभाषा, ध्वनियंत्र और उसकी कार्यप्रणाली, (उच्चारण प्रक्रिया), ध्वनी वर्गीकरण के आधार (स्थान और प्रयत्न), स्वरों और व्यंजनों का वर्गीकरण, ध्वनिगुण.

8. पद (रूप) विज्ञान :
शब्द, पद, संबंधतत्व और अर्थतत्व, संबंधतत्व के प्रकार.

9. वाक्य विज्ञान :
वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य में पदक्रम, वाक्य विभाजन.
वाक्य विभाजन के आधार - (अ) अग्र-पश्च.
(ब) उद्देश्य - विधेय.
(क) उपवाक्यीय.

10. अर्थ विज्ञान :
शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन का स्वरूप, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ.
अर्थपरिवर्तन के कारण -
क) बल का अपसरण.
ख) पीढी परिवर्तन.
ग) अन्य भाषाओं का प्रभाव लेना.
घ) वातावरण में परिवर्तन.
छ) नम्रता-प्रदर्शन.
च) अशोभन के लिए शोभन का प्रयोग.
छ) अधिक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग.
ज) एक शब्द के दो रूपों का प्रचलन.
झ) व्यंग्य.
त) आलंकारिक प्रयोग.
थ) वस्तुओं का निर्माण.
द) अज्ञान और असावधानी

ख) राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास :

1. स्वातंत्र्य पूर्व कालीन राष्ट्रभाषा हिंदी के इतिहास में केवल निम्नलिखित विषयों का अध्ययन.

* निम्नलिखित संस्थाओं का योगदान -
  - अ) ईसाई मिशनरी, ब्रम्ह समाज, थिआसाफिकल सोसायटी.
  - आ) साहित्यिक संस्थाएँ - नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, राष्ट्रभाषा प्रचार समिती, वर्धा, राष्ट्रभाषा प्रचार सभा, पुणे, दक्षिण भारत प्रचार सभा, मद्रास.

* व्यक्तियों का योगदान :
  महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक, पुरुषोत्तमदास टण्डन, मदन मोहन मालवीय, सेठ गोविंददास.

2. स्वातंत्र्योत्तर काल में हिंदी का संविधानिक स्वरूप :
   - अ) संविधान के अनुच्छेद क्रमांक 343 से 351 तक का ज्ञान.
   - आ) राजभाषा अधिनियम 1976 का ज्ञान.

ग) निबंध :
साहित्यिक, सामाजिक तथा वैचारिक विषयों पर आधारित निबंध.

संदर्भग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी.
2. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबुराम सक्सेना.
3. भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा.
4. राष्ट्रभाषा आंदोलन - श्री. गो.प. नेने
   प्रकाशन - महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे
5. राष्ट्रभाषा प्रचार का इतिहास - संपादक श्री. गंगाशरण सिह,
   श्री. गो.प.नेने
   अखिल भारतीय हिंदी संस्था,संघ, नई दिल्ली.
6. सरल भाषाविज्ञान - डॉ. पीताम्बर सरोदे, डॉ. विश्वास पाटील,
   साहित्य निलय, 46, कानपूर

तृतीय वर्ष कला

हिंदी विशेष पेपर - 4

भाषा विज्ञान, राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास तथा निबंध

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे — पूर्णांक : **80**

प्रश्न क्र. 1	भाषा विज्ञान पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा भाषा विज्ञान पर आधारित टिप्पणियाँ (चार में से दो के उत्तर अपेक्षित)	(16)
प्रश्न क्र. 2	भाषा विज्ञान पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा भाषा विज्ञान पर आधारित टिप्पणियाँ (चार में से दो के उत्तर अपेक्षित)	(16)
प्रश्न क्र. 3	भाषा विज्ञान पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा भाषा विज्ञान पर आधारित टिप्पणियाँ (चार में से दो के उत्तर अपेक्षित)	(16)
प्रश्न क्र. 4	अ) राष्ट्रभाषा आंदोलन पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन के उत्तर अपेक्षित)	(12)
	आ) भाषा विज्ञान पर आधारित एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (चार में से चार के उत्तर अपेक्षित)	(04)
प्रश्न क्र. 5	निबंध लेखन (पाँच विषयों में से किसी एक पर)	(16)

-----*****------

[हिंदी सामान्य (G-3) के लिए पर्यायी]

तृतीय वर्ष कला

प्रयोजनमूलक हिंदी

उद्देश्य : 1) आज के युग में साहित्यिक हिंदी के साथ प्रयोजनमूलक हिंदी का महत्व बढ रहा है । अत: विद्यार्थियों को सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों, मिडिया आदि में प्रयुक्त हिंदी भाषा के स्वरूप का आकलन कराना ।

2) राजभाषा हिंदी की संविधानिक स्थिति की जानकारी देना ।

पाठ्यक्रम :

1) वाणिज्यिक एवं कार्यालयीन पत्रलेखन

अ) वाणिज्यिक पत्रलेखन : पूछताछ पत्र, आदेश पत्र, शिकायत पत्र, साख पत्र, क्षतिपूर्ति पत्र, तकादे का पत्र ।

आ) कार्यालयीन पत्रलेखन : कार्यालयीन आदेश, अर्ध्द सरकारी पत्र, परिपत्र, ज्ञापन, अधिसूचना, पृष्ठांकन ।

2) कार्यालयीन कार्य व्यवहार : प्रविष्टि, अनुभाग, डायरी, मोहर, वितरण, आवती-जावती रजिष्टर, टिप्पण पत्र का उत्तर प्रेषण ।

3) पत्रकारिता एवं मुद्रण तकनीक :

अ) पत्रकारिता : आदर्श पत्रकारिता, पत्रकार की योग्यताएँ, समाचार संकलन-चयन-संपादन-शीर्षक-संपादकीय का वैशिष्ट्य, पत्रकारिता की भाषा एवं साहित्य लेखन की भाषा में अंतर ।

आ) मुद्रण तकनीक : मुद्रित शोधन के चिह्न , मुद्रित शोधक का दायित्व-कार्य योग्यता-मुद्रण तकनीक की जानकारी, प्रेस के प्रकार-हैण्ड प्रेस, प्रिंटिंग प्रेस, ऑफसेट,स्क्रीन प्रिंटिंग ।

4) विज्ञापन : विज्ञापन का स्वरूप एवं महत्व, विज्ञापन के प्रकार, विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन तैयार करना,विज्ञापन की भाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग को सोदाहरण प्रस्तुत करना।

5) राजभाषा हिंदी की संविधानिक स्थिति :

अ) संविधान के अनुच्छेद क्र. 343 से 351 तक का परिचय ।

आ) राजभाषा अधिनियम 1963 एवं राजभाषा अधिनियम 1976 का ज्ञान ।

इ) राजभाषा के रूप में हिंदी की समस्याएँ और समाधान ।

6) रसास्वादन - अपठित कविताओं का रसास्वादन ।

7) अनुवाद : अ) मराठी अथवा अंग्रेजी गद्यखण्ड का हिंदी में अनुवाद
आ) कार्यालयीन अनुवाद : वाक्यांश (अंग्रेजी से हिंदी)
(सूची संलग्न)

8) कहावतें एवं मुहावरे - (सूची संलग्न)

संदर्भ ग्रंथ

1) प्रयोजनमूलक हिंदी, भाग 2 एवं 3 - डॉ. चर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपूर ।

2) जनसंचार माध्यमों में हिंदी - डॉ. चंद्रकुमार क्लासिक पब्लिकेशन, नई दिल्ली ।

3) संपादन कला एवं प्रूफ पठन - डॉ. हरिमोहन तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली ।

4) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. विजयपाल सिंह संजय बुक सेंटर, वाराणसी ।

5) हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप - डॉ. माधव सोनटक्के छाया पब्लिशिंग हाऊस, औरंगाबाद

6) मुद्रण के तकनीकी सिध्दान्त - नवीनचंद्र पंत तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली ।

7) राजभाषा हिंदी : प्रगति और प्रयोग - डॉ. इकबाल अहमद राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

8) सूचना प्रौद्योगिकी एवं जनमाध्यम - डॉ. हरिमोहन तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली ।

-----*****------

तृतीय वर्ष कला
प्रयोजनमूलक हिंदी

वाक्यांश :

Above given	उपरलिखित
Above said	उपर्युक्त
Accepted on trail basis	परीक्षण के आधार पर स्वीकृत
Admission with permission	आज्ञा लेकर अन्दर आइए
After adequate consideration	समुचित विचार के बाद
As a last resort	अन्तिम उपाय के रूप में
As a result of	के फलस्वरूप
As modified	यथाशोधित
Appear for interview	साक्षात्कार के लिए उपस्थित हो ।
Behind schedule	अनुसूचित समय के बाद
Balance to be completed	बकाया काम पूरा करना है ।
By Return of Post	वापसी डाक से
Call for explanation	जवाब तलब किया जाए ।
Case has been closed	मामला समाप्त कर दिया गया ।
Check and give remarks	जाँच करे और कैफियत दें ।
Delay in disposal	निपटाने में देरी
Do the needful	आवश्यक कारवाई करें ।
Disregarding the facts	तथ्यों की उपेक्षा करते हुए
Draw attention	ध्यान आकर्षित करना
Duly verified	विधिवत सत्यापित
Fallow up action	अनुवर्ती कार्यवाही
For and on behalf of	के लिए और उनकी ओर से
For favour of orders	आदेशार्थ
For further action	अगली कार्यवाही के लिए
For perusal	अवलोकनार्थ
Fresh receipt	नयी आयती
Further orders will follow	आगे और आदेश भेजे जायेंगे ।
Funds are available	रक्कम उपलब्ध है ।
In addition to	के अतिरिक्त
In anticipation of	की प्रत्याशा में

In compliance with	का पालन करते हुए
In contravention of	के विपरीत
In course of business	काम के दौरान
In exerxise of	के प्रयोग में
In keeping with	के अनुरूप
In lump sum	एक मुश्त
In other respects	अन्य बातों में
In order of priority	प्राथमिकता क्रम से
In super session	का अतिक्रमण करते हुए
In the mean while	तब तक
Intimation to us, under	हमें सूचना देते हुए
Involving question of policy	जिसमें नीति का प्रश्न निहित हो
Issueas Modified	यथा संशोधित भेजिए
It is within your powers	यह आपके अधिकार में है ।
It will be construed	इसका यह अर्थ समझा जाय ।
Just below	ठीक निचे
Keep in obevarce	स्थगित रखा जाय
Kindly confirm	कृपया पुष्टि करें
Kindly consider	कृपया विचार करें
Lay down	निर्धारित करना
May be cancelled	रद्द कर दिया जाये
Matter is, under consideration	मामला विचाराधीन है
May be permitted	अनुमति दी जाय
May be requested to clarify	से स्पष्टीकरण की प्रार्थना करें
May please see	कृपया देखें
Means by any	किसी भी प्रकार से
Needs no comments	टिपण्णी की आवश्यकता नहीं
No demand certificate	बेबाकी पत्र
No objection certificate	अनापत्ति प्रमाण-पत्र
Not payable before	के पूर्व अदेय
Not satisfactory	संतोषजनक नहीं है
Obtain formal sanction	औपचारिक संस्वीकृति प्राप्त करें
Office to note and comply	कार्यालय ध्यान दे और पालन करें
On account of	के कारण

तृतीय वर्ष कला
प्रयोजनमूलक हिंदी

कहावतें -

1. अंधों में काना राजा ।
2. आँख के अँधे नाम नयनसुख ।
3. अकेला चना क्या भाड फोडेगा ।
4. अधजल गगरी छलकत जाय ।
5. आम के आम गुठलियों के दाम ।
6. आसमान से गिरा और खजूर में अटका ।
7. उलटा चोर कोतवाल को डाटे ।
8. ऊंची दुकान फीके पक्वान ।
9. ऊँट के मुँह मे जीरा ।
10. ओस चाटे प्यास नही बुझे ।
11. कहाँ राज भोज कहाँ गंगू तेली ।
12. नंगों के देश में धोबी क्या करेगा ।
13. का वर्षा जब कृषि सुखाने ।
14. कौवे की चोंच में अंगूर ।
15. खग जाने खग की भाषा ।
16. खिसीयानी बिल्ली खम्बा नोंचे ।
17. खोदा पहाड निकली चुहिया ।
18. घर का जोगी जोगडा आन गांव का सिध्द ।
19. घर का भेदी लंका ढाए ।
20. घर की मुर्गी दाल बराबर ।
21. चमडी जाए पर दमडी न जाए ।
22. चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात ।
23. राज बोले तो बोले छलनी भी बोले जिसमें पचहत्तर छेद ।
24. जंगल में मोर नाचा किसने देखा ।
25. पानी में रहकर मगर मच्छ से बैर ।
26. जहाँ न पहुँचे रवि वहाँ पहुँचे कवि ।

27. जहाँ जाये भूखा वहाँ पडे सूखा ।
28. जाके पैर न फटी बिवाई सो क्या जाने पीर पराई ।
29. जाको राखे साइयां मार सके न कोय ।
30. जिन ढूँढा तिन पाइया गहरे पानी पैठ ।
31. जिसकी लाठी उसकी भैंस ।
32. दूध का जला छाछ भी फूँक कर पीता है ।
33. धोबी का कुत्ता घर का न घाट का ।
34. न नौ मन तेल रहेगा न राधा नाचेगी ।
35. नाच न जाने आंगन टेढा ।
36. नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली ।
37. न रहेगा बाँस न रहेगी बाँसुरी ।
38. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ।
39. बकरे की माँ कब तक खैर मनाएगी ।
40. बडे मियाँ तो बडे मियाँ छोटे मियाँ सुभान-अल्लाह ।
41. मन चंगा तो कठौती में गंगा ।
42. मन के हारे हार है मन के जीते जीत ।
43. रस्सी जल गई पर बल नहीं गया
44. लातों के भूत बातों से नहीं मानते ।
45. समरथ को नहीं दोष गुसाई ।
46. सौ सुनार की एक लुहार की ।
47. हाथ कंगन को आरसी क्या ।
48. हाथी मरा भी तो सवा लाख का ।
49. हाथी चला बाजार तो कुत्ते भोंके हजार ।
50. हारे को हरिनाम ।

-----*****-----

तृतीय वर्ष कला
प्रयोजनमूलक हिंदी

मुहावरें -

1. अंगूठा दिखाना
2. अंगूर खट्टे होना
3. अंधे के हाथ बटेर लगना
4. अकल पर पत्थर पड़ना
5. अपना उल्लू सीधा करना
6. अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना
7. आपे से बाहर होना
8. आँख का तारा होना
9. ईंट का जवाब पत्थर से देना
10. आस्तीन का सांप होना
11. ईद का चाँद होना
12. उल्टी गंगा बहाना
13. कलेजा ठंडा होना
14. कब्र में पाव लटकाना
15. काटों में घसीटना
16. कानून बघारना
17. कान खडे होना
18. खाक छानना
19. खून पसीना एक करना
20. गडे मुर्दे उखाडना
21. गागर में सागर भरना
22. गुड गोबर होना
23. घाट घाट का पानी पीना
24. घी के दीप जलाना
25. घोडे बेचकर सोना
26. चार चाँद लगाना

27. चिराग तले अंधेरा होना
28. छठी का दूध याद आना
29. जले पर नमक छिडकना
30. न्योछावर करना
31. टालमटोल करना
32. तलवार की धार पर चलना
33. तिल का ताड बनाना
34. तूती बोलना
35. दाँतों तले उंगली दबाना
36. दिल की कली खिलना
37. नमक मिर्च लगाना
38. नाक के बल गिरना
39. नाक में दम करना
40. निन्यानवे के फेरे में पडना
41. पापड बेलना
42. बहती गंगा में हाथ धोना
43. बाल की खाल निकालना
44. रफू चक्कर होना
45. रंग जमाना
46. लकीर का फकीर होना
47. सिक्का जमाना
48. हाथ मलते रह जाना
49. होश ढीले होना
50. हाथ बँधना

-----******-----

तृतीय वर्ष कला

प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे — पूर्णांक : 100

प्रश्न क्र. 1	कार्यालयीन कार्यव्यवहार पर टिप्पणियाँ (पाँच में से तीन के उत्तर अपेक्षित)	(15)
प्रश्न क्र. 2	पत्र लेखन - अ) वाणिज्यिक (विकल्प के साथ)	(08)
	ब) कार्यालयीन (विकल्प के साथ)	(07)
प्रश्न क्र. 3	पत्रकारिता अथवा मुद्रण तकनीक से संबंधित दीर्घोत्तरी प्रश्न	(15)
प्रश्न क्र. 4	अ) विज्ञापन तैयार करना	(07)
	आ) विज्ञापन से संबंधित लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो के उत्तर अपेक्षित)	(08)
प्रश्न क्र. 5	अ) राजभाषा हिंदी - अनुच्छेद / अधिनियम / समस्याएँ	(07)
	आ) कहावतें एवं मुहावरे - संलग्न सूची में से दो कहावतें और दो मुहावरे	(08)
प्रश्न क्र. 6	रसास्वादन - अपठित कविता पर आधारित	(10)
प्रश्न क्र. 7	अ) अनुवाद - मराठी अथवा अंग्रेजी अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद	(10)
	आ) कार्यालयीन वाक्यांशोंका हिंदी में अनुवाद (पाँच में से पाँच के उत्तर अपेक्षित)	(05)

-----*****------

॥ अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ॥

उत्तर महाराष्ट्र विश्व विद्यालय, जलगांव

तृतीय वर्ष कला

हिंदी

समकक्ष विषयों की सूची

पुराना पाठ्यक्रम	नया पाठ्यक्रम
१) हिंदी सामान्य (जी-३)	१) हिंदी सामान्य (जी-३)
२) हिंदी साहित्य का इतिहास विशेष पेपर-३ (एस-३)	२) हिंदी साहित्य का इतिहास विशेष पेपर-३ (एस-३)
३) भाषा विज्ञान, राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास तथा निबंध विशेष पेपर-४ (एस-४)	३) भाषा विज्ञान, राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास तथा निबंध विशेष पेपर-४ (एस-४)
४) प्रयोजनमूलक हिंदी	४) प्रयोजनमूलक हिंदी

सही/-

अध्यक्ष.

हिंदी अभ्यास मंडल.

C:Y/[illegible] मेहकरा.